नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

सुप्रीम कोर्ट का संतुलित और अहम फैसला

हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के 'गहन परीक्षण' (इंटेंसिव वेरीफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने जो अंतरिम आदेश दिया है, वह भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की जटिलताओं को सामने लाता है. कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग को इस प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने की सलाह दी है, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का अद्यतन और पुनरीक्षण कोई असंवैधानिक कार्य नहीं है. यह एक संतुलित हस्तक्षेप है, जिसमें मतदाताओं के अधिकारों और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता- दोनों की रक्षा का प्रयास किया गया है. बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने जिन कारणों से मतदाता सूची का गहन परीक्षण आरंभ किया, वे केवल प्रशासनिक सुविधा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके पीछे एक गहरी लोकतांत्रिक मंशा भी है, यह सुनिश्चित करना कि मतदाता सूची सटीक, अद्यतित और निष्पक्ष हो.

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनाव की निष्पक्षता की नींव है. अगर सूची में मृत व्यक्तियों के नाम, दोहराए गए नाम, या फर्जी नाम बने रहते हैं, तो न केवल चुनाव की वैधता पर प्रश्नचिन्ह लगते हैं, बल्कि यह मतदाता अधिकारों का सीधा उल्लंघन भी होता है. ऐसे में गहन सत्यापन को रोकने का कोई भी प्रयास, भले ही वह राजनीतिक रूप से प्रेरित न हो, लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए अव्यावहारिक साबित हो सकता है. बिहार जैसे राज्य में, जहाँ बड़ी संख्या में श्रमिक पलायन करते हैं, और नागरिक पहचान दस्तावेजों में विसंगतियाँ अक्सर पाई जाती हैं, वहाँ मतदाता सूची की समीक्षा नितांत आवश्यक बन जाती है. गहन परीक्षण का उद्देश्य किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि एक नागरिक- एक वोट की संवैधानिक भावना अक्षुण्ण रहे.

निर्वाचन आयोग का कार्य केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि चुनाव में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक मतदाता की पहचान और उपस्थिति वैध हो. अनुच्छेद 324 के अंतर्गत आयोग को स्वतंत्रता और अधिकार प्राप्त हैं कि वह चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठा सके. बिहार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा लागू किया गया गहन परीक्षण इसी संवैधानिक अधिकार का प्रयोग है. आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया समावेशी है - अगर कोई पात्र मतदाता गलती से सूची से हटता है, तो पुनः नाम दर्ज करने की प्रक्रिया भी उतनी ही सुगम और त्वरित रखी गई है. यह भी महत्वपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मतदाता सूची के अद्यतन पर रोक नहीं लगाई है, बल्कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया है. यह आयोग के लिए एक सकारात्मक संकेत है- कि वह कानूनी रूप से अपने कदम आगे बढ़ा सकता है, बशर्ते वह प्रक्रिया में किसी भी पक्षपात या भेदभाव से बचे.

कुल मिलाकर, लोकतंत्र केवल मतदान का अधिकार नहीं, बल्कि उसके पीछे की संरचनात्मक निष्पक्षता भी है. एक स्वच्छ, अद्यतित और सत्यापित मतदाता सूची लोकतंत्र के स्वास्थ्य का प्रमाणपत्र है. बिहार में चल रही यह गहन परीक्षण प्रक्रिया एक चुनौतीपूर्ण लेकिन आवश्यक प्रयास है- जो केवल चुनावी आंकड़ों का नहीं, बल्कि नागरिक सहभागिता का शुद्धिकरण है. सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश ने इस प्रक्रिया पर संवैधानिक संतुलन का आवरण प्रदान किया है. अब जरूरत इस बात की है कि निर्वाचन आयोग न केवल तकनीकी पारदर्शिता बनाए, बल्कि जन संवाद, जन सहभागिता और शिकायत निवारण की प्रक्रिया को भी मज़बूत करे- ताकि मतदाता सूची वास्तव में 'लोकशक्ति का विश्वसनीय दस्तावेज़' बन सके. जाहिर है सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महत्वपूर्ण और संतुलित है.

ब्रह्मांडीय ऊर्जा का स्रोत है श्रावण मास

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

> सावन का महीना आयुर्वेद के अनुसार, पाचन और प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है. इस महीने में, बारिश के कारण वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे पाचन अग्नि (जठराग्नि) कमजोर हो जाती है और वात दोष बढ़ जाता है. इसलिए, आयुर्वेद इस महीने में हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन खाने, उपवास करने और अपनी दिनचर्या में बदलाव करने की सलाह देता है. सावन का व्रत प्रकृति के साथ तालमेल को दर्शाता है. आधुनिक समय में सावन का व्रत न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक लाभों के लिए भी प्रासंगिक है. यह तनाव प्रबंधन, सामुदायिक एकता, और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है. वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, उपवास और ध्यान से कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर कम होता है, जो सावन के व्रत के लाभों को समर्थन देता है.

सावन हिंदू धर्म के सांस्कृतिक ताने-बाने में गहराई से समाया हुआ है और पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जाता है. यह हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है. यह महीना भगवान शिव को समर्पित है. सावन का व्रत भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है. प्राचीन ग्रंथों जैसे शिव पुराण, स्कंद पुराण, और लिंग पुराण में सावन के महत्व का उल्लेख मिलता है.

शिवपुराण में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं. इसलिए जल से उनकी अभिषेक के रूप में अराधना का उत्तमोत्तम फल है, जिसमें कोई संशय नहीं है. शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं. इसलिए ये समय भक्तों, साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है. यह चार महीनों में होने वाला एक वैदिक यज्ञ है जो एक प्रकार का पौराणिक व्रत है, जिसे चौमासा या चतुर्मास भी कहा जाता है. तत्पश्चात सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं. इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं.

सावन में कांवड़ यात्रा जैसे आयोजन सामाजिक और धार्मिक एकता को दर्शाते हैं. यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है.

सावन में मंदिरों में भक्तों का जमावड़ा लगता है, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक एकता बढ़ती है.

यह व्रत भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने में मदद करता है.सावन के दौरान रुद्राभिषेक का महत्व बहुत ज्यादा है. रुद्राभिषेक या शिवलिंग को स्नान कराने की पवित्र रस्म समुद्र मंथन की कथा से गहराई से जुड़ी हुई है. मंथन के दौरान, घातक हलाहल विष निकला, जिसे भगवान शिव ने दुनिया को बचाने के लिए पी लिया. विष ने उनके शरीर में अत्यधिक गर्मी पैदा कर दी. उन्हें शांत करने के लिए, देवताओं ने लगातार उन पर जल डाला. इसी वजह से सावन के दौरान शिवलिंग पर जल और अन्य पवित्र चीजें चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई. ज्योतिषीय दृष्टि से, सावन को नए उद्यम और आध्यात्मिक साधना शुरू करने के लिए एक शुभ समय माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि इस महीने में ब्रह्मांडीय ऊर्जाएँ व्यक्तिगत विकास, आत्म-अनुशासन और गहन आत्मनिरीक्षण के लिए अनुकूल होती हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सावन का महीना ग्रहों और नक्षत्रों की विशेष स्थिति के कारण महत्वपूर्ण होता है.

सोमवार का स्वामी चंद्रमा है, और चंद्रमा का भगवान शिव से गहरा संबंध है. शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव ने चंद्रमा को अपने मस्तक पर धारण किया है, जिससे वे चंद्रशेखर कहलाते हैं. सावन में चंद्रमा की ऊर्जा विशेष रूप से प्रभावशाली होती है, जो मन और भावनाओं को संतुलित करती है. इस दौरान उपवास और पूजा से नकारात्मक ग्रह प्रभावों को कम किया जा सकता है.

सावन का महीना मानसून के मौसम में आता है, जो प्रकृति के पुनर्जनन का समय है. इस दौरान पृथ्वी की ऊर्जा और वातावरण में नमी बढ़ती है, जिसे आध्यात्मिक दृष्टिकोण से शुद्धिकरण का समय माना जाता है. खगोलीय दृष्टि से, इस समय सूर्य कर्क राशि में होता है, जो जल तत्व से संबंधित है. यह जल तत्व भगवान शिव से जुड़ा है, क्योंकि वे नीलकंठ के रूप में विषपान और जल के प्रतीक हैं. सोमवार को चंद्रमा की ऊर्जा अधिक प्रभावी होती है, जिसे पूजा और उपवास के माध्यम से संतुलित किया जाता है.सावन में मानसून के कारण वातावरण में नमी और ठंडक होती है, जो मन को शांत करती है. पूजा, ध्यान, और मंत्र जाप से मस्तिष्क में सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का स्तर बढ़ता है, जिससे तनाव कम होता है.

प्रकृति से जुड़ाव- सावन में प्रकृति की हरियाली और जल की प्रचुरता मनुष्य को प्रकृति के करीब लाती है. शिवलिंग पर जल चढ़ाने की प्रक्रिया प्रतीकात्मक रूप से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और संतुलन को दर्शाती है.

मध्य क्षेत्र की डायरी

जांच एजेंसियों पर सवाल

दिलीप झा

1814 करोड़ के एमडी ड्रग्स मामले में मास्टर माइंड सहित तीन आरोपी 8 महीने से फरार है लेकिन जांच एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे चुपचाप बैठी हुई है. सूत्र बताते हैं कि इस मामले में पुलिस की संलिप्तता जगजाहिर है और यहीं कारण है कि ये आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से कोसों दूर है.

जाहिर है नशे के कारोबारियों पर शिकंजा नहीं कसा गया तो उनके हौसले बुलंद रहेंगे ही. यह हैरानी की बात है कि मामले के मुख्य आरोपी मास्टर माइंड शोयब खान, ओमप्रकाश पाटीदार और घनश्याम मीणा की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो सकी है. सूत्रों का कहना है कि पूरे प्रदेश में नशे के कारोबार का नेटवर्क इतना गहरा गया है कि हर जिले में एमडी ड्रग्स सप्लाई करने वालों का गिरोह सक्रिय है लेकिन इन सबके बावजूद पुलिस इसके नेटवर्क को ध्वस्त नहीं कर पा रही है तो पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठना लाजिमी है.

पुलिस का खौफ क्यों नहीं

इन दिनों पुलिस का खौफ खत्म हो गया है. इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि अपराधियों में जबतक पुलिस प्रशासन का खौफ पैदा नहीं होगा, अपराध की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है. राजधानी में सरेआम फायरिंग, तलबारबाजी और चाकूबाजी से दहशत पैदा करने वालों पर पुलिस दमदारी से पेश नहीं आती. इसके कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. उन्हें पता है कि हम कुछ भी करेंगे तो हमारे आका हमें बचा लेंगे. आका का तात्पर्य हमारे राजनेताओं से है जो अपने काली करतूतों को अंजाम देने से बाज नहीं आते हैं.

अपराधियों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रश्रय देना नेताओं की फितरत है. रंगदारी मांगने, साईबर ठगी और धोखाधड़ी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस को ठोस कदम उठाने चाहिए लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं रहा है. स्टार्टअप के नाम पर एक 40 वर्षीय महिला से 3.28 लाख की ठगी हो गई. 8 जुलाई को महिला ने क्राइम ब्रांच में आरोपियों के शिकायत दर्ज कराई है. दरअसल भोपाल में संगठित ठगी गिरोह काफी सक्रिय है और उनमें महिलाएं भी शामिल हैं.

खाली पदों पर नियुक्ति क्यों नहीं

प्रदेश में विभिन्न विभागों में लाखों पद खाली हैं लेकिन उनपर नियुक्ति क्यों नहीं हो रही है यह बताने के लिए शासन प्रशासन कोई तैयार नहीं है. सूत्रों का कहना है कि अफसरशाहों के आगे पूरा सिस्टम ठप हो गया है. कुछ दिन पहले ही चीफ सेक्रेटरी अनुराग जैन ने विभिन्न विभागों के अफसरों से कहा कि आपके यहां नियुक्तियां क्यों नहीं हो रही हैं तो सन्नाटा फैल गया. सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार अपनी इच्छानुसार नियुक्तियां क्यों नहीं कर पा रही है.

शिक्षा विभाग में सबसे बुरा हाल है. प्रदेश के स्कूलों में विभिन्न तरह के शिक्षकों के 80 हजार पद रिक्त हैं तो ऐसे में यह कहने में कोई संकोच नहीं कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रति शिक्षा विभाग उदासीन रवैया अपना रहा है. यह भी ध्रुव सत्य है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिए बिना सरकार प्रदेश को ताकतवर नहीं बना सकती.

बारिश ने खोल दी भोपाल नगर निगम की पोल

पिछले एक सप्ताह की बारिश के कारण भोपाल की कई कॉलोनियां के अधिकांश क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है लेकिन हैरानी की बात है कि निगम के अधिकारी और कर्मचारी समस्याओं के हल के प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं. सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि नगर निगम का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जबकि हर साल बारिश जनित समस्याओं से निपटने के लिए भारी भरकम बजट आता है लेकिन निगम अधिकारियों की लापरवाही और बंदरबांट नीति के कारण योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पाती हैं. जानकारी के अनुसार शाहपुरा, कोलार, अशोका गार्डन और अयोध्या नगर जैसे अन्य इलाकों में सड़कें जलमग्न हैं. कई घरों में नालियों का गंदा पानी घुस गया है, जिससे न सिर्फ जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया बल्कि स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ गए हैं. कई क्षेत्रों में बिजली गुल है और स्थानीय प्रशासन की ओर से राहत कार्य में भी देरी देखी जा रही है. लोगों को खाने-पीने की चीजों और दवाइयों के लिए भी बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है. बुजुर्गों और बच्चों के लिए स्थिति और भी चिंताजनक है. हालांकि यह पहली बार नहीं है जब भोपाल में मानसून के दौरान इस तरह की स्थिति बनी है. हर वर्ष इसी तरह की समस्याएं सामने आती हैं लेकिन नगर निगम की तैयारी हवा हवाई होने के कारण ड्रेनेज प्रबंधन पूरी तरह चरमरा गई है.

गुजरात में बार-बार पुल हादसे क्यों

विगत कुछ वर्षों में गुजरात में पुल ढहने की कितनी ही घटनाएं हुई लेकिन उनसे कोई सबक नहीं सीखा गया. कमजोर हो चुके पुल जानलेवा साबित होते हैं यह जानते हुए भी उन पर यातायात नहीं रोका जाता. वडोदरा और आणंद को जोड़नेवाला गंभीरा पुल बीच से टूटा और भरभराकर गिर पड़ा. उतनी ऊंचाई से 2 ट्रक, 2 कार व एक आटो रिक्षा नदी में जा गिरे जिससे लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. 2021 से लेकर अब तक गुजरात में पुल ढहने की यह 7वीं दुर्घटना है. लगभग 3 बजे पूर्व वडोदरा जिले के रोड एंड बिल्डिंग विभाग के अधिकारियों को सतर्क किया गया था कि गंभीरा पुल पर असामान्य कंपन होता है तथा यह खतरनाक स्थिति में है. 4 अगस्त 2022 को वडोदरा जिला पंचायत के सदस्य हर्षद सिंह परमार ने इस संबंध में आर एंड बी विभाग के तत्कालीन कार्यकारी अभियंता को पत्र भेजा था जिस पर विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की. पुल की स्लैब के बीच कई जगह गैप बढ़ गया था लेकिन इसकी अनदेखी की गई. इसके पूर्व गुजरात के मोरबी में 30 अक्टूबर 2022 को माछू नदी पर 1887 में बना पुराना पुल टूट जाने से 135 लोगों की मौत हुई थी. दुरुस्ती के लिए 7 माह तक बंद रहने के बाद इस पुल को जनता की तफरीह के लिए खोला गया था और इसके लिए 3000 टिकट बेचे गए थे. जब मोरबी पुल ढहा तो उस पर 350 लोग मौजूद थे जिनका भार वह सह नहीं पाया. इसके बाद 14 जून 2023 को वलसाड में रेलवे ओवरब्रिज के उद्घाटन के पहले ही उसका कुछ हिस्सा ढह गया था. 28 जून 2023 को सूरत के तापी जिले के पुल पर उद्घाटन के 42 दिन बाद पहली ही बारिश में दरारें आ गई थीं. इसे लेकर संबंधितों पर कार्रवाई की गई थी. इसके बाद 23 अक्टूबर 2023 को बनासकांठा जिले के पालनपुर में राष्ट्रीय महामार्ग 58 पर निर्माणाधीन पुल के गर्डर ढह जाने से 2 लोगों की मौत हो गई थी. 21 दिसंबर 2021 को अहमदाबाद के मुमतापुरा में पुल की स्लैब गिरी थी. इन सारी दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलों का सुरक्षा आडिट किया जाना चाहिए और जहां खतरा नजर आए, यातायात रोक दिया जाए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

कैंटीन में परोसी बासी दाल मुक्का पड़ा तो हुआ बेहाल

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, शिवसेना (शिंदे) के बुलढाणा से विधायक संजय गायकवाड़ ने मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस की कैंटीन में खराब दाल मिलने पर वहां के संचालक को इतने जमकर घूंसा मारा कि वह फर्श पर गिर गया. बताइए, क्या इतना गुस्सा करना अच्छी बात है? दाल बासी और बदबूदार थी तो उसकी शिकायत करते. मुक्का मारने की क्या जरूरत थी?

हमने कहा, यह महात्मा गांधी का अहिंसक फार्मूला था कि यदि कोई तुमको एक गाल पर तमाचा मारे तो दूसरा गाल आगे कर दो. शिवसैनिक ऐसी फिलॉसफी नहीं मानते. वह हमेशा आवेश में रहते हैं. आपको फिल्म 'तिरंगा' का नाना पाटेकर का डायलॉग याद होगा-पहले लात, बाद में बात और फिर ने मुलाकात ! शिवसेना वाले किसी को ठोकने में संकोच नहीं करते. गायकवाड़ ने कहा कि मैं जूडो, कराटे और बॉक्सिंग जानता हूं. मुझे कैंटीन कर्मचारी की पिटाई करने का कोई पश्चाताप नहीं है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, जरा सी दाल की कटोरी

को लेकर इतना हंगामा क्यों होना चाहिए? हमने बासी कढ़ी में उफान की कहावत सुनी थी लेकिन बासी दाल को लेकर पिटाई का मामला अनोखा है.

हमने कहा, दाल का महत्व समझिए. हर आदमी दाल-रोटी के लिए सुबह से शाम तक मेहनत करता है. संत-महात्मा कहते हैं- दाल-रोटी खाओ, प्रभु के गुण गाओ! यदि कोई व्यक्ति किसी को ठगने की कोशिश करता है तो उसे फटकारते हुए कहा जाता है- जाओ यहां से ! तुम्हारी दाल यहां नहीं गलनेवाली ! पुलिसवाले पता लगा लेते हैं कि दाल में कुछ काला है.

जांच करने पर पता चलता है कि पूरी दाल ही काली है. कोई व्यक्ति अपनी औकात से ज्यादा बड़ी-बड़ी बातें करने लगे तो उसे कहा जाता है ये मुंह और मसूर की दाल! लोग होटल में जाकर मां की दाल मांगते हैं, बाप की दाल कोई नहीं मांगता. दाल फ्लेक्सिबल होती है जिसकी मात्रा बढ़ाई जा सकती है. कहावत है- तीन बुलाए तेरह आए, डालो दाल में पानी ! विधायक को बासी दाल खिलाना कैंटीनवाले को महंगा पड़ा. एफडीए ने उसका लाइसेंस रद्द कर दिया.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11960 -डॉ. सागर खादीवाला

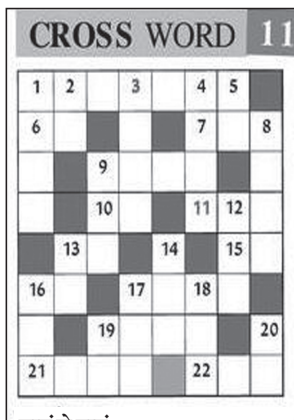

ऊपर से नीचे
1. एक रोग जिसमें पेशाब के साथ शक्कर आती है (सं.)
2. विषय विशेष में चित्त की एकाग्रता
3. लानत-मलामत करना, फटकारना
4. अप्रसन्नता 5. एक शब्द जिसके द्वारा वक्ता तथा श्रोता के अतिरिक्त तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है
8. भाजी, सब्जी 9. भले और बुरे की परख करने की शक्ति, अदब (उर्दू)
12. रंग-बिरंगे पंखों वाला सुंदर कीड़ा जो फूलों पर मंडराता है 13. तृषित
14. आकृति का आभास, चमक, प्रतिबिंब 16. नाम, मुलायम
17. परिश्रम करना, काम में लगना
18. रूप या अस्तित्व देना, रचना
19. जो कच्चा न हो, जो पक चुका हो
20. सेवक, दास, जन, भक्त (उर्दू)

बाएं से दाएं
1. अवधि पूर्ण होने के पूर्व ही बीच में कराया गया चुनाव 6. लगन, गाने की तर्ज 7. आराम, चैन, सुख (उर्दू)
9. पानी वाली रेतीली जमीन पर पैदा होने वाला एक बड़ा गोल और मीठा फल 10. सोने-चांदी पर किया जाने वाला एक प्रकार का रंगीन काम
11. कविता का एक प्रकार, 26 मात्रा का एक छंद 13. गोल गांठ के आकार का एक छिलकेदार कंद, जिसकी गंध बड़ी उग्र होती है
15. आर्द्रता, नमी, शीतलता, ठंडक
16. एक प्रकार का रेशमी कपड़ा
17. हलचल, घबराहट
19. किसी बैठे या खड़े व्यक्ति को नीचे गिराना 21. टांगना, आसरे में रखना
22. किसी जलयान के चालक के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द (उर्दू)

Solution 11959

1 ह	जा	2 री		3 स	4 ह	यो	5 ग
नु		6 ति	7 क	ड़	म		ति
8 मा	9 ल		10 ट	क	रा	11 ना	
12 न	ख	13 शि	ख		14 ही	न	ता
	15 प	व	ना	16 र		ख	
17 पा	ती			18 ह	ड़	ता	19 ल
ल		20 ज	21 वा	ब		22 ई	द
23 न	वशा		24 त	र	फ		ना

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष केप्रारंभ में कार्यों की शुरूआत होगी, भूमि भवन आदि का सुख प्राप्त मिलेगा, वर्ष के मध्य में नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा, अधिकारियों के सहयोग से समाज में प्रभाव बना रहेगा, वर्ष के अन्त में आर्थिक कमी केकारण योजनायें वाधित होंगी, शिक्षा में अचानक व्यवधान आयेगा, आकस्मिक यात्रा में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन आदि की प्राप्ति होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की नई योजना पर विचार विमर्श होगा, कर्क और सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यों में व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को संयम से काम लेना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियोंकी आर्थिक उन्नति होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निजी कार्यो की रूपरेखा बनेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चतुर चंचल मिलनसार और परोपकारी होगा. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. निर्णय लेने में अग्रणी एवं सक्षम होगा. किसी के अधिनस्थ कार्य करना पसंद नहीं करेगा. जातक का भाग्योदय जन्म स्थान से दूर होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

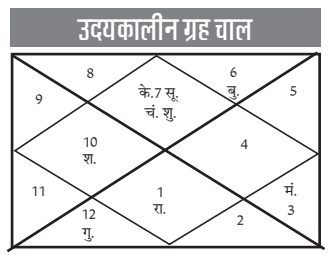

पंचांग

रा.मि. 21 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण द्वितीया शनिवासरे रात 1/40, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे दिन 7/21, विष्कुम्भ योगे रात 8/58, तैतिल करणे सू.उ. 5/16 सू.अ. 6/44, चन्द्रचार मकर, पर्व- अशून्यशयन व्रत, शु.रा. 10,12,1,4,5,8 अ.रा. 11,2,3,6,7,9 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण द्वितीया को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, धातु, मोती, पुखराज, जौ, चना, अलसी, तिल, गुड़, खांड़ रूई, कपास में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 1 बजकर 18 मिनिट से 25 मिनिट के बने रूख पर व्यापार कर लाभ उठायें. भाग्यांक 3723 है.

मेष- आपने कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें, मनोरंजन में समय व्यतीत होगा. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. घरेलू विवादों की अनदेखी न करें.

वृषभ- पारिवारिक दृष्टि से दिन मध्यम रहने की संभावना है. विरोधी कामकाज बिगाड़ने की चेष्टा करेंगे. पूज्य व्यक्ति की सलाह हितकर रहेगी.

मिथुन- मान प्रतिष्ठा में कमी आयेगीं खर्च बढ़ने से पैसों का इंतजाम करना होगा. धार्मिक कार्यों में लगन रहेगी. सम्मान में वृद्धि होगी. संयम रखें.

कर्क- व्यापार व्यवसाय मध्यम रहेगा. नई योजनाओं का श्रीगणेश होगा. अतिथि रावणमन का योग है. संपत्ति संबंधी विवादों का समाधान होगा.

सिंह- भौतिक सुख साधनों में रूचि बढ़ेगी. विरोधियों से सतर्क रहकर कार्य करें. आय व्यय में संतुलन रहेगा. कार्यों में रूचि रहेगी.

कन्या- व्यापार लाभदायक रहेगा. परिवार में सुख शांति रहेगी. सामाजिक सम्मान मिलेगा. विवादों को टालना हितकर रहेगा. मनोवांछित सफलता प्राप्त होगी.

तुला- कार्यक्षेत्र विस्तृत होगा. व्यवसायिकबाधायें दूर होंगी.जीवनसाथी का कार्य अच्छा और सहयोगी रहेगा. पारिवारिक कार्यों में रूचि रहेगी.

वृश्चिक- कानूनी मामलों में समय का ध्यान रखें, नौकरी में क्वसफलता मिलेगी. दैनिक कार्य में यश प्राप्त होगा. प्रियजनों से विवाद को टालना हितकर रहेगा.

धनु- सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा, नए संबंध बनेंगे, अनुभवों का लाभ मिलेगा. शुभ समाचार प्राप्त होंगे. मान सम्मान में वृद्धि होगी. मनोबल बना रहेगा.

मकर- पुरूषार्थ का प्रतिफल मिलेगा, धैर्य आपको उन्नति की पराकाष्ठा पर ले जायेगा. वाद विवाद से दूर रहें. आकस्मिक लाभ का योग प्रबल है.

कुम्भ- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. विरोधियों से सतर्क रहें, जल्दबाजी में कार्य न करें. अभीष्ट की प्राप्ति होगी. नौकर चाकरों का सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- परिवार में शुभ कार्यों का निर्णय होगा. मानसिक अस्थिरता दूर करें. पुराना कार्य बनने का योग है. शुभ सूचना प्राप्त होगी. प्रापर्टी संबंधी कार्यों से बचना चाहिये.

SUDOKU 7092

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7091

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7